

|         |   |
|---------|---|
| Sch.G.  | न, ज, ज, य ( 5. 7 )   |
| Ex.     | स्फुटमुषमामकरंदमनोज्ञं<br>व्रजललनानयनालिनिपीतम् ।<br>तव मुखतामरसं मुग्धश्रो<br>हृदयतडागविकाशि ममास्तु ॥<br>( 6 ) तोटक                             |
| Def.    | वद तोटकमन्धिसकारयुतम् ।   |
| Sch.G.  | स, स, स, स, ( 4. 4. 3. )  |
| Ex.     | स तथेति विनेतुरुदारमतेः<br>प्रतिगृह्य वचो विससर्ज मुनिम् ।<br>तदलक्ष्यपदं हृदि शोकधने<br>प्रतियातमिवांतिकमस्य गुरोः ॥ R. 8. 91.<br>See Si. 6. 71. |
|         | ( 7 ) द्रुतविलंबित  |
| Def.    | द्रुतविलंबितमाह नभौ भरी ।   |
| Sch.G.  | न, भ, भ, र ( 4. 8, or 4. 4. 4 )   |
| Ex.     | मुनिसुताप्रणयस्मृतिरोधिना<br>मम च मुक्तमिदं तमसा मनः ।<br>मनसिजेन सखे प्रहरिष्यता<br>धनुषि चतशश्च निवेशितः ॥ S. 6; see<br>R. 9, Si. 6 also.       |
|         | ( 8 ) प्रभा   |
|         | ( also called मंदाकिनी ).   |
| Def.    | स्वरशरविरतिर्नैवौ रौ प्रभा ।  |
| Sch.G.  | न, न, र, र ( 7. 5 )   |
| Ex.     | अतिसुरभिरभाजि पुष्पश्रिया-<br>मतनुत रतयेव संतानकः ।<br>तरुणपरभूतः स्वनं रागिणा-<br>मतनुत रतये वसंतानकः ॥ Si. 6. 67; also<br>Ki. 5. 21.            |
|         | ( 9 ) प्रमिताक्षरा  |
| Def.    | प्रमिताक्षरा सजससैः कथिता ।   |
| Sch.G.  | स, ज, स, स, ( 5. 7 )  |
| Ex.     | विहगाः कदंबसुरभाविह गाः<br>कलयत्यनुक्षणमनेकलयम् ।<br>भ्रमयन्नपैति मुहुरभ्रमयं<br>पवनश्च धूतनवनीपवनः ॥ Si. 4. 36,<br>Ki. 6, Si. 9 also.            |
|         | ( 10 ) भुजंगप्रयात  |
| Def.    | भुजंगप्रयातं चतुर्भिर्यकारैः ।  |
| Sch. G. | य, य, य, य ( 6. 6 )   |
| Ex.     | धनैर्निष्कुलीनाः कुलीना भवन्ति<br>धनैरापदं मानवा निस्तरन्ति ।<br>धनेभ्यः परो बांधवो नास्ति लोके<br>धनान्यन्यध्वं धनान्यन्यध्वम् ॥                 |
|         | ( 11 ) मणिमाला  |
| Def.    | त्यौ त्यौ मणिमाला छिन्ना गुह्यवक्त्रैः ।  |
| Sch.G.  | त, य, त, य ( 6. 6 )   |
| Ex.     | प्रह्वामरमौलौ रत्नोपलङ्घिते<br>जातप्रतिर्विधा शोणा मणिमाला ।<br>गोविन्दपदाब्जे राजी नखाणा-<br>मास्तां मम चित्ते ध्वातं शमयन्ती ॥                  |

|         |  |
|---------|--|
|         | ( 12 ) मालती   |
|         | ( Also called यमुना )  |
| Def.    | भवति न जावथ मालती जरौ ।  |
| Sch.G.  | न, ज, ज, र ( 5. 7 )  |
| Ex.     | इह कलयाच्युतकैलिकानने<br>मधुरससौरभसारलोलुपः ।<br>कुसुमकृतस्मितचाक्षविभ्रमा-<br>मलिरपि चुंबति मालतीं मुहुः ॥<br>( 13 ) वंशस्थविल                                  |
|         | ( Also called वंशस्थ and वंशस्तनित )   |
| Def.    | वदन्ति वंशस्थविलं जतौ जरौ ।  |
| Sch. G. | ज, त, ज, र ( 5. 7 )  |
| Ex.     | तथा समक्षं दहता गनोभवं<br>पिनाकिना भग्नमनोरथा सती ।<br>निर्विद रूपं हृदयेन पार्वती<br>प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ॥ Ku. 5. 1<br>See R. 3 also.                 |
|         | ( 14 ) वैश्वदेवी   |
| Def.    | वाणाश्चैश्छिन्ना वैश्वदेवी ममौ यौ ।  |
| Sch. G. | म, म, य, य, ( 5. 7 )   |
| Ex.     | अचोमन्येषां त्वं विहायामराणा-<br>मद्वैतेनैकं विष्णुमभ्यर्च्य भक्त्या ।<br>तत्राशेषात्मन्यर्चिते भाविनी ते<br>भ्रातः संपन्नाराधना वैश्वदेवी ॥<br>( 15 ) स्रग्विणी |
| Def.    | कीर्तितैषा चतुरेफिका स्रग्विणी ।   |
| Sch. G. | र, र, र, र ( 6. 6 )  |
| Ex.     | इंद्रनीलोपलीनेव या निर्मिता<br>शातकुंभद्रवालंक्रुता शोभते ।<br>नव्यमेघच्छविः पीतवासा हरे-<br>मूर्तिरास्तां जयायोरसि स्रग्विणी ॥<br>See Si. 4. 42.                |

*Metres with 13 Syllables in a quarter.*

|         |   |
|---------|---|
|         | ( अतिजगती )   |
|         | ( 1 ) कलहंस   |
|         | ( Also called सिंहनाद and कुटजा )   |
| Def.    | सजसाः सगौ च कथितः कलहंसः ।  |
| Sch. G. | स, ज, स, स, ग ( 7. 6 )  |
| Ex.     | यमुनाविहारकुतुके कलहंसो<br>व्रजकामिनीकालिनीकृतकोलिः ।<br>जनचित्तहारिकलकंठनिनादः<br>प्रमदं तनोतु तव नंदतनूजः ॥<br>See Si. 6. 73.         |
|         | ( 2 ) क्षमा   |
|         | ( Also called चंद्रिका and उत्पलिनी ).  |
| Def.    | तुरगरसयतिर्नौ ततौ गः क्षमा ।  |
| Sch. G. | न, न, त, त, ग ( 6. 7 )  |
| Ex.     | इह दुराधिगमैः किंचिदेवामैः<br>सततमसुतरं वर्णयंत्यंतरम् ।<br>अमुमातिविपिनं वेद दिग्द्व्यपिनं<br>पुरुषमिव परं पद्मयोनिः परम् ॥ Ki. 5. 18. |